प्रश्न : एकीकृत गंगा संरक्षण कार्यक्रम का समालोचनात्मक विश्लेषण करें। **(250 शब्द)**

Critically analyze the integrated Ganga Conservation Programme. **(250 Words)**

मॉडल उत्तर

भूमिका में-

- गंगा में वर्तमान में प्रदूषण की स्थिति पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए एकीकृत गंगा सरंक्षण कार्यक्रम का परिचय लिखें।

मुख्य विषय-वस्तु में-

एकीकृत गंगा संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गंगा को साफ करने के लिये निर्मल धारा और अविरल धारा की संकल्पना भी बतायें।

निर्मल धारा के अंतर्गत किये गये प्रयासों में-

- नगरीय कचरे को गंगा में मिलने से रोकने के लिये सीवेज ट्रीटमेंट प्लान की स्थापना,
- गंगा से संबंधित 1632 गाँवों में शौचालय की व्यवस्था और सीवर लाइन की स्थापना,
- स्वच्छ भारत अभियान को इससे जोड़ना,
- औद्योगिक प्रदूषण को रोकने के लिये जेड एल डी (ZERO LIQUID DISCHARGE) की संकल्पना लाई गई जिसके तहत 2020 तक गंगा में किसी प्रकार का औद्योगिक कचरा मिलने से रोका जायेगा,
- पर्यावरण मंत्रालय की सहायता से 24 × 7 निगरानी व्यवस्था की गई है,
- गंगा बेसिन से लगे इलाकों में उत्खनन पर रोक लगाई गई है,
- निर्मल धारा बनाये रखने के लिये प्रदूषक भुगतान की संकल्पना लाई गई है।

अविरल धारा के लिये किये गये प्रयासों में-

- गंगा के ऊपरी इलाकों से बांध बैराज से गंगा के पानी की कमी हो रही है, अत: नये बैराज या बाँधों को सीमित किया जायेगा,
- कृषि मंत्रालय के साथ मिलकर सिंचाई क्षमता का विकास किया जायेगा,
- पर्यावरण मंत्रालय के साथ मिलकर आर्द्र भूमियों का संरक्षण किया जायेगा,
- अवसादों को हटाना आवश्यक है इसके लिये बड़ा कार्यक्रम शुरू किया जायेगा,
- गंगा नदी कायाकल्प संरक्षण और प्रबंधन के प्राधिकार का आदेश 2010 का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय गंगा नदी परिषद की स्थापना की गई। इसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री होंगे,
- गंगा रिवर फ्रंट तैयार करने की योजना, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिले तथा पर्यटक गंगा के घाटों को देख-समझ सकें,
- गंगा के विषय में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिये और गंदगी फेंकने से रोकने के लिये 'गंगा वाहिनी' की स्थापना जिसमें देश के रक्षा बलों को तैनात किया जायेगा।

आलोचना में निम्न तथ्यों को शामिल करें-

- गंगा नदी को साफ करने के लिये विदेशी तकनीकों का सहारा लिया जा रहा है लेकिन परम्परागत तकनीकों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है,
- गंगा को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिये अपेक्षित वित्त उपलब्ध न होना,
- वित्त प्रबंधन में मुश्किलें,
- जनभागीदारी की कमी,
- गंगा नदी से संबंधित राज्य इस कार्यक्रम पर एकमत नहीं,
- एकीकृत गंगा संरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभावों को शामिल नहीं किया गया है,
- गंगा की सहायक नदियों की सफाई पर चर्चा नहीं की गई है।

अंत में संक्षिप्त, संतुलित व सारगर्भित निष्कर्ष दें-

नोट:
प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते है।